(क) क्या जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) के अगुचा ग्राम में भारी मात्रा के जस्ता निलेपों की उपलब्धता को देखते हुए और इस क्षेत्र के बिछड़ा क्षेत्र होते हुए वहां पर जस्ता प्रद्रावक संयंत्र की स्थापना करने का विचार है चूंकि यह स्थान सभी दृष्टियों से सब से अधिक उपयुक्त स्थान है ; और

(ख) उक्त संयंत्र की स्थापना करने का निर्णय सरकार द्वारा कब तक लिया जाएगा ?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख). छठी पंचवर्षीय योजना (1980–85) के लिए स्कीमें बनाने हेतु सरकार द्वारा गठित अलौह धातु कार्यकारी दल ने अपनी रिपोर्ट (जन 1980) में अन्य बातों के साथ-साथ पश्चिमी क्षेत्र में एक अतिरिक्त जस्ता-सीसा प्रद्रावक लगाने की सिफारिश की थी। प्रस्तावित जस्ता-सीसा प्रद्रावक के लिए जस्ता-सीसा सान्द्रों की पूर्ति का एक स्रोत अगूचा अयस्क निक्षेप है।

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने प्रस्तावित जस्ता-सीसा प्रद्रावक की स्थापना के लिए साध्यता-पूर्व अध्ययन हेतु एक विदेशी परामर्श को नियुक्त किया है। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में रामपुरा अगुचा क्षेत्र भी प्रस्तावित प्रद्रावक के लिए विचाराधीन स्थलों में से एक है। साध्यता-पूर्व अध्ययन में, अन्य बातों के अलावा, अत्यधिक उपयुक्त स्थल के प्रश्न पर भी विचार किया जाएगा। अध्ययन 1981–82 के अन्त तक पूरा हो जाने की आशा है उसके बाद संयंत्र के स्थान के बारे में सरकार निर्णय करेगी।

Exports through STC during last three years

1710. SHRI S. B. SIDNAL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the exports through the State Trading Corporation during the last three years, year-wise;

(b) whether new enlarged targets have been envisaged in years ahead and the details thereof; and

(c) what special measures have been adopted to increase non-canalised exports?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI KHURSHED ALAM KHAN) : (a) STC's exports during the years 1977-78, 1978-79 & 1979-80 were Rs. 557 crores, Rs. 602 crores and Rs. 636 crores respectively.

(b) The export target for 1984-85 has been fixed at Rs. 784 crores with greater stress on the non-canalised exports. While canalised exports are expected to be about Rs. 283 crores, non-canalised exports are projected at Rs. 501 crores.

(c) Preparation of a long term plan, identifying products and markets for major thrust, functionalisation of activities, programme for creating, expanding and strengthening the supply base suitably, and collaboration with overseas parties for technical know-how and buy-back tie-ups, are some of the important measures taken by the Corporation.

Review of pricing policy of Government

1711. SHRI H. N. GOWDA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether his Ministry are thinking of a review of the pricing policy of Government, with particular reference to retention prices paid to different units; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI R. VENKATARAMAN) : (a) and (b). Government follows a pragmatic approach in the matter of pricing policies, taking into account the overall requirements of the economy as also balancing the interests between the producers and the consumers. Thus, formulation of pricing policy is a continuous process and adjustments in administered prices, if any, are generally made on